



**भांडुप (पं.) मुम्बई।** आध्यात्मिक मेले को सम्बोधित करते हुए नवजीवन विद्यालय के सावंत सर साथ में हैं ब्र.कु.गोदावरी।



**होसुर।** नगरपालिका अध्यक्ष बालकृष्णरेड्डी ह्युमन सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से ब्र.कु.सुचित्रा को एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित करते हुए।



**इंदी।** जगद्गुरु शिवाचार्य महास्वामी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.यमुना तथा मंचासीन हैं पूर्व मुख्यमंत्री यडियूरप्पा, सांसद सोमय्या तथा अन्य।



**जगराओ (पंजाब)।** समर्पण समारोह में ईश्वरीय स्मृति में खंडें हैं ब्र.कु.सूर्य, ब्र.कु.स्मृति, ब्र.कु.महिमा, ब्र.कु.अमर ज्योति, मेहर मित्तल तथा अन्य।



**लीलीया (गुज.)।** नवनिर्मित भवन का केक काटकर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.तृप्ति, ब्र.कु.चंपा तथा अन्य।



**मुलुंड (मुम्बई)।** नवनिर्वाचित नगरसेवक प्रकाश गगाधरे को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु.वर्षा।



**गुडगांव।** नासा के द्वारा ओ.आर.सी. में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के पश्चात् समूह चित्र में हैं जॉनसन के प्रेसीडेंट अनिता गेल, जिम क्रिशन, अभिषेक अग्रवाल, ब्र.कु.आशा तथा भारत, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के विद्यार्थी।

**प्रश्न -मैं इंजीनियरिंग का छात्र हूँ। मेरे दो पेपर क्लीयर नहीं हुए हैं, मुझे भय भी लग रहा है, मेरी मेमोरी भी कम होती जा रही है, मुझे सफल होने की विधि बताओ।**

**उत्तर -**आप अपना आत्मविश्वास कभी कम न होने देना। मनुष्य तब हार जाता है, जब उसका आत्मविश्वास समाप्त हो जाता है। इसलिए सदा अभ्यास रखो कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ जाएगा। यदि आप ही असफल होने के संकल्प करेंगे तो सफल कभी नहीं हो पाएंगे। याद रखना जो संकल्प हम बार-बार करते हैं, उसका हम निर्माण करते हैं। जब आप सबेरे उठो यह अभ्यास करना कि मैं स्वराज्य-अधिकारी हूँ, मन-बुद्धि की मालिक हूँ। अपने मन-बुद्धि से बातें करना कि हे मेरी बुद्धि मैं तुम्हारी मालिक हूँ, तुम्हें मेरा आदेश है कि आज जो भी मैं पढ़ूँ, तू उसे याद कर लेना और परीक्षा के समय उसे इमर्ज कर देना। यही अभ्यास तब करना जब आपके प्रोफेसर आपको पढ़ावें कि हे मेरी बुद्धि अब जो भी मैं सुनूँ, उसे तुम ग्रहण कर लेना और परीक्षा के समय उसे इमर्ज कर देना। इससे आपको बहुत मदद मिलेगी। साथ-साथ स्वयं को व्यर्थ से व भय से भी मुक्त रखो। यह संकल्प बार-बार करो कि इस बार मेरे दोनों पेपर क्लीयर हो जाएंगे।

**प्रश्न -एक एक्सीडेंट में मेरे दो जवान बच्चे मृत्यु को प्राप्त हो गये। मैंने बाबा की मदद से स्वयं को बहुत सम्भाला। बाबा मेरे साथ न होता तो शायद मैं भी मर ही जाती। अब घर में मैं और मेरे युगल हैं। भोजन खाते समय बच्चों की याद आती है, मन कभी-कभी अशान्त भी हो जाता है, श्रेष्ठ स्थिति रहे, इसकी विधि बतायें।**

**उत्तर -**निसंदेह दो जवान बच्चों की मृत्यु माँ के लिए बहुत ही कष्ट देने वाली घटना है। परन्तु आप अवश्य ही शिव-शक्ति हैं जो आपने इस दुख को सहज पार कर लिया। उनकी याद आना भी स्वाभाविक है। जब भी याद आये - इस तरह संकल्प करना कि वे बाबा की गोद में हैं या वे तो बच्चे बनकर आनंद मग्न हो खेल रहे हैं, मेरा व उन आत्माओं का इतना ही

साथ था, मृत्यु पर तो किसी का भी अधिकार नहीं है, वे जहाँ भी रहें सुखी रहें, वे महान बनें। इस तरह विचार करके उन्हें शान्ति का दान देना। जब भोजन खाओ तो पहले भोजन बाबा को स्वीकार कराना व बाबा को कहना कि अपने उन दोनों बच्चों को भी ये ब्रह्मा भोजन खिला देना। इस तरह करने से आपका मन शान्त रहेगा। उन्हें यहीं से आत्मिक दृष्टि से देखना कि वे दोनों तो चमकती हुई आत्माएं हैं। अमृतवले प्रभु-मिलन का सुख लेना व स्वमान का अभ्यास करना तो बच्चों की याद आपको सतायेगी नहीं।

**प्रश्न -मैं बीस वर्षीय कुमार हूँ। मेरी दोनों किडनी फेल हो गई है क्या राजयोग में भी इसके उपचार की विधि है? यदि मेरी**



**किडनी बाबा ठीक कर दे तो मैं जीवन भर बाबा की ही सेवा करूँगा।**

**उत्तर -** राजयोग संसार की सबसे बड़ी विद्या है। बीस वर्ष में ही किडनी फेल हो जाना पूर्व जन्मों के कुछ बुरे कर्म का ही परिणाम है। मैं कुछ विधियां लिख रहा हूँ -आप सम्पूर्ण आत्म विश्वास के साथ इनका प्रयोग करें आपकी किडनी ठीक हो जाएगी। मुम्बई के एक तीस वर्षीय कुमारी का भी यही केस था, उसकी किडनी ठीक हो गई है मात्र चालीस दिन में। आप दृढ़ संकल्प कर लें कि मुझे ठीक होना है। आत्मा ही शरीर का संचालन करती है प्रतिदिन पांच बार आत्मा से शक्तियों की किरणें किडनी को दिया करें।

आपको प्रतिदिन एक घण्टा १०८ दिन तक पावरफुल योग करना है। ताकि आत्मा के वे विकर्म नष्ट हों जिनके कारण ये रोग हुआ है। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, इस स्वमान में बैठकर अभ्यास करना कि सर्वशक्तिवान की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं।

प्रतिदिन पाँच बार पानी को चार्ज करके इस संकल्प से पीना कि इस पानी से मेरी किडनी सामान्य हो जाए। पानी इस तरह चार्ज करें - पानी को दृष्टि देकर सात बार संकल्प करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। रात को जब नींद आने लगे तो पांच बार संकल्प करना कि मेरी किडनियां सम्पूर्ण रूप से ठीक हो गई है। यह संकल्प उठते ही करना। ऐसा करने से अन्तर्मन की शक्ति किडनियों को ठीक करने में लग जाएगी।

**प्रश्न -मेरा मन खुश नहीं रहता। मैं कुमार हूँ। ज्ञान-योग भी करता हूँ। कोई मुझे जरा सी बात कह दे, बस मेरा मन उदास हो जाता है। खुशी का नाता जैसे कि मुझसे रहा ही नहीं। मैं सदा खुश रहना चाहता हूँ।**

**उत्तर -**भगवान को पाकर भी यदि कोई खुश नहीं रहता तो भला और कौन उसे खुश कर सकेगा। संकल्प कर दो कि मुझे सदा खुश रहना है। मेरी खुशी को कोई छीन नहीं सकता। कभी भी प्यासी नजरों से दूसरों की ओर न देखो कि वे मुझे खुशी देंगे। आप महान हो, आपको सबको खुशी बांटनी है।

बाबा से प्रतिदिन सबेरे वरदान ले लो कि मैं खुशानसीब आत्मा हूँ। उठते ही पांच बार खुले मन से संकल्प करना कि मैं बहुत-बहुत भाग्यवान हूँ, मैं बहुत खुशानसीब हूँ। विकर्मों का बोझ मनुष्य को खुश नहीं रहने देता। इसलिए खुश रहने के लिए पुण्य कर्म भी करने चाहिए। ध्यान रहे कि आपसे सूक्ष्म विकर्म न होते रहें। मुख से कटु वचन बोलना या दूसरों के प्रति दुर्भावना रखना या किसी भी तरह की अपवित्रता। याद रहे जो दूसरों की खुशी छीनते हैं वे कभी खुश नहीं रह सकते। खुशी का पारा सौ डिग्री रहे। इसके लिए कामनाओं को जीरो डिग्री पर लाना होगा। यदि कामनाएं सौ डिग्री होंगी तो खुशी जीरो डिग्री पर आ जाएगी। इसलिए भगवान को पाकर उसका प्यार पाकर उसके द्वारा स्वमान के रूप में सम्मान पाकर, किसी मनुष्य से प्यार व सम्मान की कामना नहीं करनी चाहिए। इन पर विचार करें व खुश रहें।